सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए टीसीआई का सेफ सफर अभियान

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत सप्लाई चेन और लॉजिटिक्स सोल्यूशन प्रोवाइडर कंपनी, टीसीआई ग्रुप टीसीआई सेफ सफर अभियान के तहत विशेष रूप से बनाए गए ट्रकों में नुक्कड़ नाटक का लगातार आयोजन कर रही है। ये नुक्कड़ नाटक 1940 से भारत में प्रचलित हैं। ये एक बार फिर जन समुदाय को संदेश देने का जांचा-परखा तरीका बन रहे हैं। इसमें अभिनेता स्थानीय भाषा में बोलते हुए, रंगबिरंगी ड्रेस पहनकर, ड्राइवरों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। देश में चल रहे दूसरे सड़क सुरक्षा अभियानों के उलट ड्राइवर इस कहानी के नायक हैं। अब तक यह पहल 10 लाख से अधिक ड्राइवरों तक पहुंच चुकी है; जिन्हें सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के

पहलुओं पर जागरूक किया गया है। ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई ग्रुप) का टीसीआई सेफ सफर अभियान ड्राइवरों को शिक्षित करने की दिशा में ड्राइवरों के द्वारा तथा ड्राइवर के लिए उठाया गया एक कदम है।

टीसीआई सेफ सफर 2019 से चल रहा अपनी तरह का अनोखा कार्यक्रम है, जो चालक समुदाय और यूजर इंडस्ट्री को लक्ष्य बनाकर चलाया गया है। सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम से कहीं अधिक यह अभियान ड्राइवर के दर्जे को बढ़ाता है। ड्राइवर की वजह से देश और पूरा विश्व गतिशील है। अगर वह ना हों तो पूरी दुनिया रुक जाएगी। एक कुशल ड्राइवर की अहमियत हमेशा रहेगी। पर जब यह पूछा जाता है कि क्या राष्ट्र भी इस कम्युनिटी के लाभ या उत्थान के लिए पर्याप्त कदम उठा रहा है तो इसका संतोषजनक उत्तर कभी प्राप्त नहीं होता।

मार्च के महीने में ये इवेंट्स दिल्ली-एनसीआर की महत्वपूर्ण जगहों पर हो रहे हैं। ईएसजी जागरुकता का नया अध्याय जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य ट्रांसपोर्ट से जुड़े कम्युनिटी को क्लाइमेट चेंज के प्रति संवेदनशील बनाना है और इससे निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है। जैसे प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करना, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का प्रयोग इत्यादि। अब सबसे ज्यादा चर्चा चालक जीवन बीमा को शामिल करने की हो रही है।